महिला विकास निगम, बिहार

समाज कल्याण विभाग,
बिहार सरकार

<u>स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2016) के अवसर पर झांकी का प्रदर्शन</u>

विषय: 'ग्राम वार्ता' महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अनूठी पहल

<u>पृष्ठभूमि</u>

बच्चों के कुपोषण दर में कमी लाने के लिए सरकार द्वारा बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं जिसमें स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं की उपलब्धता एवं उपयोगिता बढ़ाने तथा सेवा प्रदाताओं के माध्यम से गाँव के अंतिम घर तक पहुँचने का अथक प्रयास किया जा रहा है |

स्वास्थ्य सेवाओं के साथ समुदाय को जोड़ने एवं समुदाय की सहभागिता बढ़ाने के लिए सरकार कटिबद्ध है एवं बिहार सरकार के ऐसे ही प्रयासों में एक प्रयास है **सहभागिता पद्धति पर आधारित कार्यक्रम - 'ग्राम वार्ता'** | इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों के द्वारा सहभागी पद्धति माध्यम से महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं बच्चों के कुपोषण दर में कमी लाने हेतु सामुदायिक स्तर पर पाक्षिक बैठक का आयोजन किया जाता है | इस पूरे चक्र में 20 बैठकें एवं दो सामुदायिक बैठकों का आयोजन चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित सहजकर्ताओं द्वारा समुदाय स्तर पर किया जाता है | इन बैठकों में सहभागिता पद्धति द्वारा महिलाएं स्वास्थ्य, पोषण, पेयजल और स्वच्छता संबंधी समस्याओं की पहचान कर उन्हें दूर करने के लिए कदम उठाती हैं | सामुदायिक बैठकें विचारात्मक होती हैं जिससे महिलाओं के आत्मबल में वृद्धि होती है समूह के अन्दर एकता बनी रहती है |

बैठक की इस पूरी प्रक्रिया में न केवल समुदाय की सक्रिय सहभागिता होती है, बल्कि यह प्रक्रिया समुदाय को चिंतन का अवसर देती है | समस्याओं को समझने एवं उसका स्थानीय स्तर पर हल निकालने के दृष्टिकोण भी विकसित करती है | पूरी प्रक्रिया जहां एक ओर सरकार द्वारा प्रदान कराये जा रहे स्वास्थ्य सेवाओं से लोगो को अवगत कराती है वहीं स्वास्थ्य सेवाओं का उपभोग बढ़ाने व सरकार के साथ कदम से कदम मिला कर चलने को प्रेरित करता है | सहभागिता, सीख एंव क्रियान्वन पद्धति एक सशक्त एवं कारगर पद्धति है | समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने में यह प्रक्रिया काफी मददगार होती है |

स्वयं सहायता समुह से ही सदस्यों को चुनकर उन्हें सहजकर्ता का कार्यभार दिया जाता है | प्रत्येक सहजकर्ता के ऊपर लगभग दस से बारह स्वयं सहायता समुहों की जिम्मेवारी होती है। समुदाय अपने आस-पास की समस्याओं को समझकर, समाधानों और सम्भव रणनीतियों का चुनाव कर उन्हें लागू करने के लिए प्रयास करता है | साथ ही सहजकर्ता सभी प्रतिभागियों की मदद से बैठक की सभी चर्चाओं का संक्षेपण करती हैं जिससे वह समझ पाए कि प्रतिभागी बैठक की गतिविधियों को कितना समझ या सीख पायी है। इन बैठकों में सदस्यों

के अलावा पुरुष, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा आदि भी सम्मलित होती हैं ताकि समुदाय की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा बढ़े और समाज के अन्य हितभागियों पर भी दबाव बढ़े।

भागीदारी एक सशक्त माध्यम है जिससे व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर बदलाव लाने के लिए माहौल तैयार किया जा सकता है। इस तरह के हस्तक्षेप से महिलाएं अपने परिवार और समाज को जागरुक कर व्यवहार परिवर्तन की दिशा में एक ठोस कदम उठा सकती हैं। इस तरह स्वस्थ परम्पराओं का जन्म होगा और समाज में स्वास्थ्य एव स्वच्छता संबंधी सुविधाओं के लिए मांग बढ़ेगी। मखदूमपुर से 10 किलोमीटर पूर्व में है जहानाबाद का कलानौर गांव आज यहां 80 % घरों में शौचालय है |

'ग्राम वार्ता' कार्यक्रम एक ऐसे प्रयोग की तरह उद्धृत है जिसने लोगों की जिंदगी को नए मायने दिए हैं । यह दर्शाता है कि कैसे लोग एक-दूसरे से सीख कर जीवन में आगे बढ़ते हैं। इस आगे बढ़ने की इच्छा में उनकी आज़ादी छुपी है, आज़ादी सीखने की..... आज़ादी आत्मनिर्भर होने की ..... आज़ादी निर्णय लेने की.....

भारत सहित कई अन्य देश जैसे बांगलादेश, मालावी एवं नेपाल में महिला समूह के साथ ऐसे कई प्रयोग किये गए हैं जिसके परिणाम बताते हैं कि महिलाओं के समूह द्वारा अपनाये सहभागिता, सीख एवं क्रियान्वन पद्धति से नवजात मृत्यु दर में कमी आई है |

ऐसे प्रयासों से मिले सीख को अपनाते हुए महिला विकास निगम, बिहार महिला समाख्या सोसाईटी एवं जीविका द्वारा कुपोषण के प्रति जागरुकता बढ़ाने, पोषण के स्तर में सुधार लाने, व्यवहार में परिवर्तन लाने हेतु सहभागिता, सीख एवं क्रियान्वन पद्धति पर आधारित '**ग्राम वार्ता**' परियोजना को महिला समूहों के साथ राज्य के 20 जिलों के 84 प्रखंडों में क्रियान्वित किया जा रहा है |

वर्तमान में लगभग 84,000 स्वयं सहायता समूह की महिलायें अपने बेहतर स्वास्थ, पोषण एवं स्वच्छता के लिए सामूहिक रूप से कार्यरत हैं |

<u>भौगोलिक आच्छादन:</u>

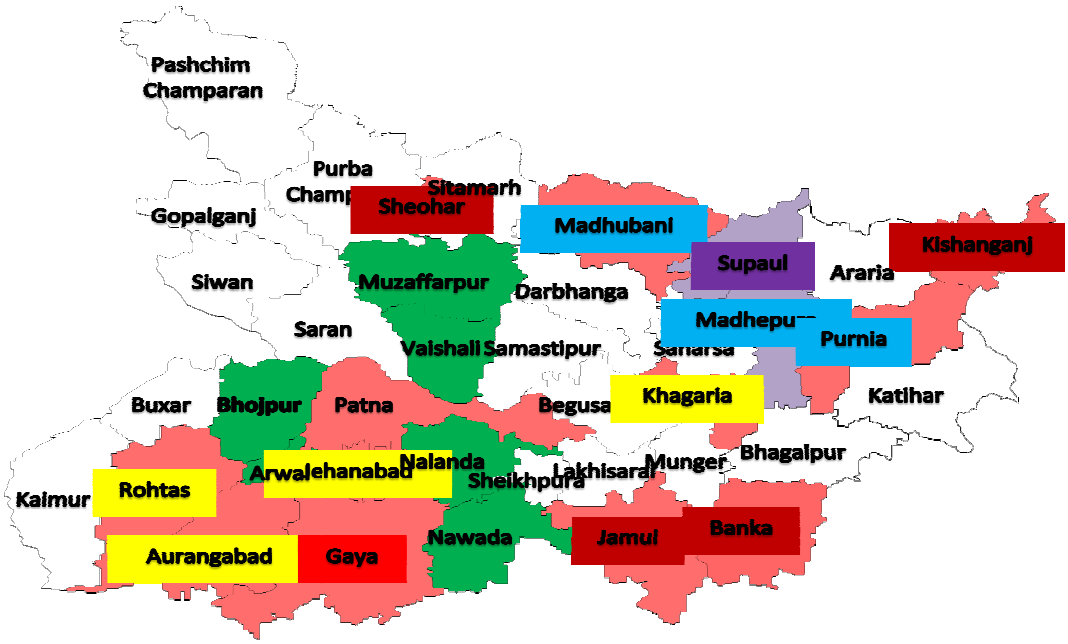

विवरणी	महिला विकास निगम	जीविका	महिला समाख्या
जिला	12	5	5
प्रखंड	33	35	16
समूह की संख्या	**33,000**	**48,000**	**2,400**

<u>झाँकी प्रदर्शन में 'ग्राम वार्ता' कार्यक्रम को विषयवस्तु के रूप में चिन्हित करने का औचित्य</u>

'ग्राम वार्ता' कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए गत वर्ष 09 जुलाई 2015 को पटना के श्री कृष्ण स्मारक भवन में आयोजित राज्य स्तरीय संवाद कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था | उक्त कार्यक्रम के दौरान समूह की महिलाओं द्वारा शराब बंदी हेतु अपनी आवाज़ को मुखर की गई थी जिसपर माननीय मुख्यमंत्री बिहार द्वारा इस मुद्दे पर शीघ्र नीतिगत निर्णय लेने हेतु महिलाओं को आश्वस्त किया गया | सरकार द्वारा इस संबंध में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और पहल करते हुए अप्रैल 2016 से बिहार में पूर्ण शराब बंदी लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया |

झाँकी में महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से समुदाय में संचालित 'ग्राम वार्ता' कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित की जाने वाली 20 चक्रीय बैठक के परिणामों को प्रदर्शित किया जायेगा | साथ ही सशक्त नारी शक्ति द्वारा शराब बंदी हेतु बुलंद की गई आवाज के परिणाम स्वरुप बिहार में लागू की गई पूर्ण शराब बंदी के सुखद दृश्य को प्रदर्शित किया जायेगा |

<u>झाँकी के संभावित दृश्य:-</u>

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2016 के अवसर पर महिला विकास निगम द्वारा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संचालित कार्यक्रम **'ग्राम वार्ता'** विषय पर 'झाँकी' प्रदर्शन का निर्णय लिया गया है | इस कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित विषय वस्तुओं को प्रदर्शित किये जा सकते हैं |

- महिला समूह की बैठक का दृश्य
- महिला सशक्तिकरण से संबंधित सांकेतिक दृश्य
- महिला समूह की एक जूटता का दृश्य
- अपने अधिकार हेतु सरकार के साथ कदम मिलाकर बढ़ते हुए महिलाओं का दृश्य
- समुदाय द्वारा स्वास्थ्य सेवा की माँग में बढ़ोतरी एवं सेवाओं तक पहुँचने का दृश्य
- पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में व्यवहार परिवर्तन का दृश्य
- बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार कर आर्थिक बचत का दृश्य
- बच्चों में कुपोषण की जाँच / पोषण पुनर्वास केन्द्र (एन.आर. सी) / प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पी. एच. सी) में रेफर करने का दृश्य
- शौच मुक्त गाँव बनाने हेतु घर-घर में शौचालय निर्माण एवं उसके इस्तेमाल का दृश्य
- स्वच्छ पेय जल के महत्त्व का दृश्य
- महिलाओं का माननीय मुख्यमंत्री के समक्ष शराबबंदी हेतु आवाज बुलंद करने का दृश्य
- माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बिहार में पूर्ण शराब बंदी की घोषणा करने का दृश्य
- पूर्ण शराबबंदी के सुखद परिणामों का प्रदर्शन